सेखावाटी

म पढबो अर लिखबो:

काह्णी की दूजी पोथी

nirmaan

empowering communities

सेखावाटी म पढबो अर लिखबो: काह्णी की दूजी पोथी
(Reading and Writing in Shekhawati: Story Book-2)

छपने का वर्ष: 2019

छपी पुस्तकों की संख्या: 200

© निर्माण सोसायटी

द्वारा तैयार

कमलेश रोयल, विक्रम सिंह, रतन लाल योगी, सुरेश कुमार,
मनीष कुमार, अमरचन्द रोयल

द्वारा मदत

मैरी शैला डिसौज़ा, मुकेश कुमार योगी, पुरणमल बैरवा

चित्रकार

मुकेश कुमार बैरवा, महेन्द्र बारुपाल

टाइपसेटिंग

रतन लाल योगी

प्रकाशक

निर्माण सोसायटी
वार्ड नं.-6, खत्री कॉलोनी,
आथूना मोहल्ला, नवलगढ़, झुन्झुनू, राजस्थान 333042
Ph. 01594-223776
Email-rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web.-www.nirmaan.org.in

सब अधिकार सुरक्षित हैं

प्रकाशक की अग्रिम लिखित अनुमति के बिना, इस प्रकाशन का कोई भी भाग आण्विक, यांत्रिकी, रिकॉर्डिंग व अन्य किसी भी रूप में या अन्य माध्यम से पुन: उत्पादित नहीं किया जा सकता है और न ही पुन: प्राप्ति पद्धति में इसका भंडारण किया जा सकता है या प्रसारित किया जा सकता है।

ओळखाण

सरू म पढबा की पोथियां कै सागै-सागै काह्णी की पोथी नै बी पढणी चाये। इमै अंय्या की काह्णी है जखी म पाठां का खास सबद है। जखा सरू की पोथियां म सीखाया गया है।

काह्णियां की पोथी नै पेली कंय्या पढी जा'गी, मतबल पेली सीढी जखी सरू म पढबा की पोथियां सै पेली सीखबाळा नै दूसरी सीढी पै सीखायो जा है। पढबाळो काह्णियां नै पढबाळा क्ले पढसी। काह्णियां की पोथी नै ईक्ले पढी जासी कि सीखबाळा नै जखो के पढायो जार्‌यो है, बिको मतबल सीखाणा म अर पढबा-लिखबा म मन लगायो जा सकै। सरू की पोथियां नै सीखाणा सूं पेली आ बात पाकी करी जा है कि खास सबद पाठां सै मिलबाळा होवै।

ई पोथी म मन, रहण-सहण, धारा अर हांसी-मजाक आळी काह्णियां को भंडार है। सगळी काह्णियां का चितर बी दिया है। जिमै काह्णियां कै बारै म दिखायो गयो है। ईको इरादो ओ है कि जखो बी पढायो जा है, बिको मतबल बतायो जा सकै अर जद पढबाळा सरू म पढबो सरू कर्‌यो जणा पढबाळा की सफलता पै बानै ओर बी पढाबा क्ले बांकी मनस्या नै जगाई जा सकै।

पाठ–1

मक्का की क्यारी

खरगोस **मक्का** **क्यारी**

एकर एक मिनख **मक्का** की **क्यारी** लगाई। बी **मक्का** की **क्यारी** म **खरगोस** बड़ग्यो, जणा बो मिनख बी **खरगोस** नै भजाबा लाग्यो जणा सगळी **क्यारी** म **खरगोस** भेळवाड़ सी काडदी जद मिनख नै झाळ आई। बो मिनख बी **खरगोस** नै मारण क्ले **मक्का** की **क्यारी** म भाज्यो अर **खरगोस** नै **मक्का** की **क्यारी** म सूं भजा दियो।

पाठ–2

र्‌याड़ा म डमरू

डमरू **न्याव** **र्‌याड़ो**

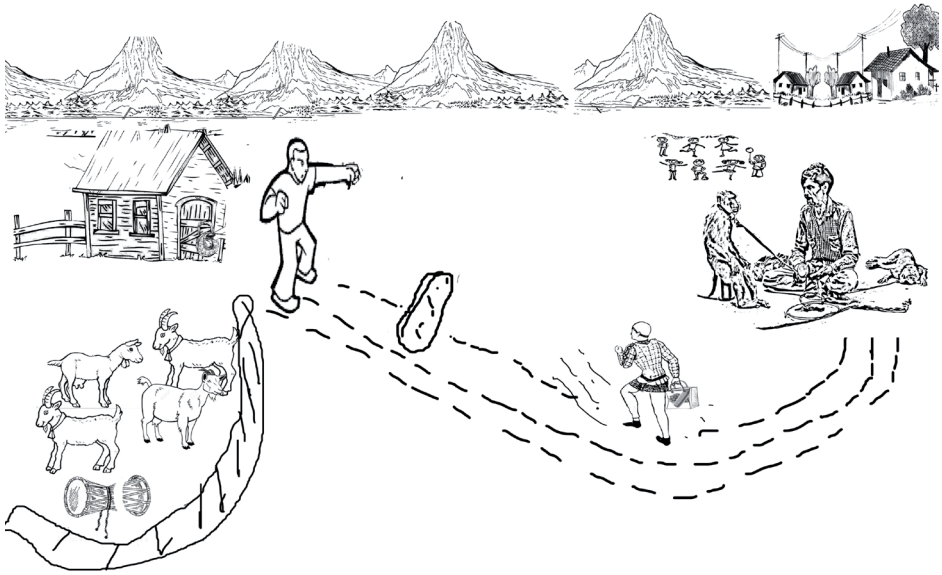

एक मदारी बजार सूं **न्याव** अर **डमरू** ल्यायो। मदारी एक गांम सूं दूसरै गांमै **डमरू** सूं ख्याल दिखाया करतो। बो **डमरू** कै ख्याल सूं बोळा रिपिया कमा'र लल्डी ल्यायो। मदारी लल्डी नै **न्याव** सूं पाणी प्यातो अर **न्याव** म ई लूंग घालतो। एक दिन मदारी को छोरो **डमरू** नै **र्‌याड़ा** म पड़ी **न्याव** म गेर दियो। **र्‌याड़ा** म बड़ेड़ी लल्डी बिको **डमरू** तोड़ दियो। मदारी टुटेड़ै **डमरू** नै **र्‌याड़ा** म सूं ठार एकानी बगा दियो। फेर **न्याव** म लल्डी नै पाणी घाल दियो।

पाठ–3

कावड़ ल्यायो

कावड़ पन्नी कुन्दो

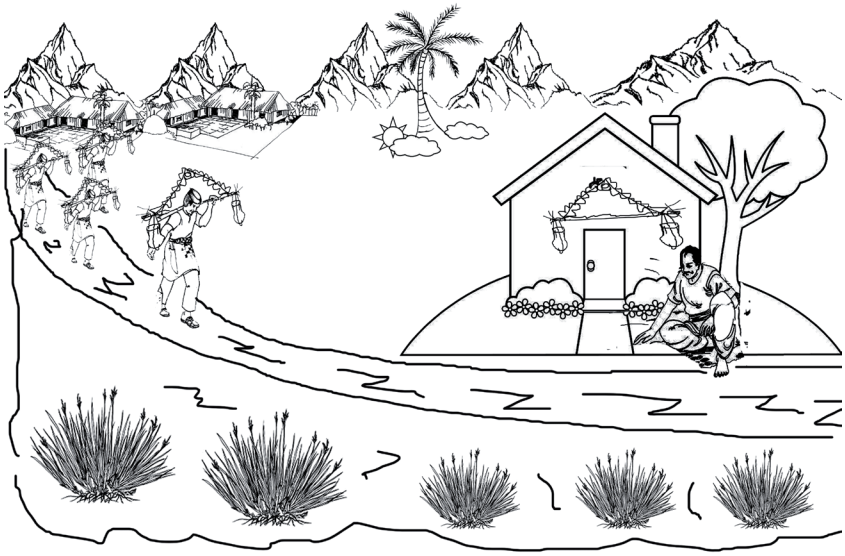

सावण म एक मिनख **कावड़** ल्याबा गयो। बिनै **कावड़** ल्याबाळा ओर बी मिनख मिलग्या। बांकै सागै बो लुआगरजी गयो। बठे बो लोटा अर **पन्नी** खरीदी। लोटा कै मांय गंगाजळ भरकी, लोटा कै ऊपर **पन्नी** लगा'र जेवड़ी सूं **पन्नी** नै बान दी। **कावड़** ल्याती टेम बो गेला म आखतो होग्यो, जणा बिनै एक जूनो घर दिख्यो, जखा म कोई कोनी रहतो। घर कै किंवाड़ कै **कुन्दो** लागर्‌यो हो। **कुन्दा** पै आपगी **कावड़** नै टांग दी अर अराम कर्‌या पाछै **कुन्दा** सै **कावड़** तारकी चाल पड़्यो।

पाठ–4

मन नै तसल्ली

छतरी **डब्बो** **कब्जो**

बीदसर गांम म कमलेस कै घरां कन एक **छतरी** ही। **छतरी** कै तळै लुगाई सुती ही। **छतरी** कै कन तणी पै **कब्जो** सुकै हो अर तळै **डब्बो** पड़्यो हो। आथण कै आनी **छतरी** कै मांकी आई। बा **कब्जा** अर **डब्बा** नै उडा'र लेगी। लुगाई **कब्जा** अर **डब्बा** नै ढूंढती हांडै ही। बिनै रात होगी अर जक कोनी पड़ी। **कब्जो** अर **डब्बो** सारलै घरां म पड़ग्या। बा घरां को छोरो **डब्बो** अर **कब्जो** लुगाई नै दे'र गयो, जणा लुगाई कै मन नै तसल्ली मिली।

पाठ–5

धणक कै चकरा म

धणक **छ्याळी** **खम्बो**

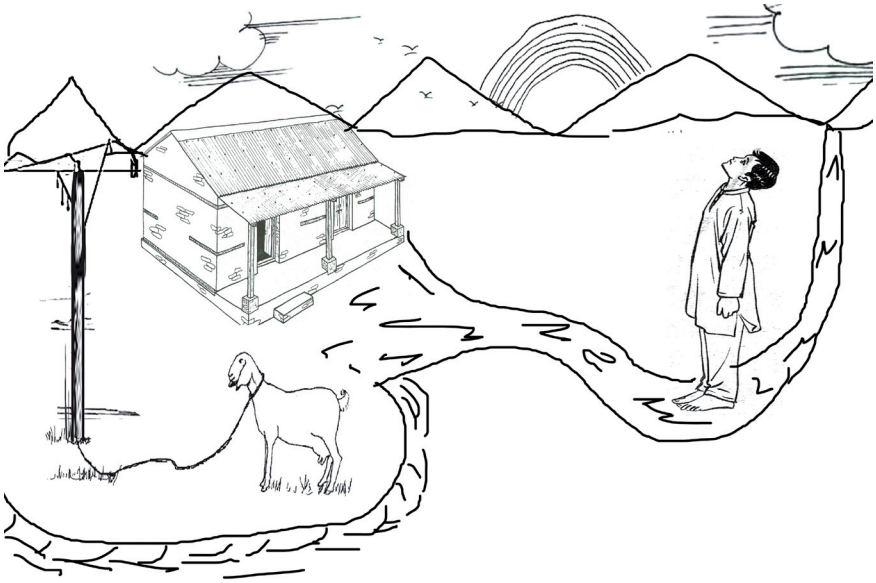

एक मिनख कै घरां कन बिजळी को **खम्बो** हो। **खम्बै** कै **छ्याळी** बनरी ही। दोफारी म बिरखा आगी। बिरखा थम्या पाछै अकास म **धणक** मंड्यो। मिनख **धणक** देखबा चल्यो गयो। थोड़ी दे'र पाछै बिरखा ओजूं आबा लागी, जणा **धणक** हटग्यो। बो मिनख **धणक** नै छोड'र **खम्बै** कन आयो। **खम्बा** म करंट आर्‌यो हो। करंट **छ्याळी** कै लागग्यो। करंट लागणा ऊं **छ्याळी** मरगी। **छ्याळी** मरणा सूं मिनख घणो दुखी होयो।

पाठ–6

खोळ का थण

थण **पत्तो** **त्योरूं**

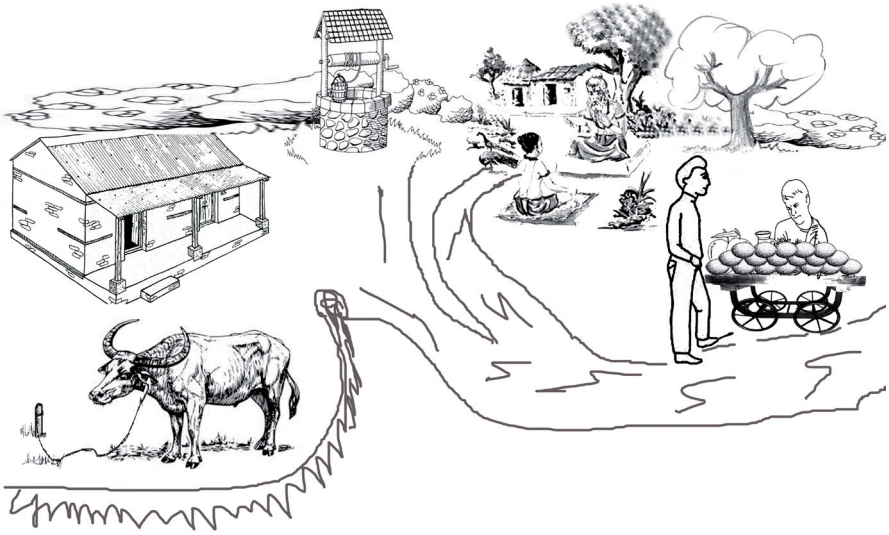

एक मिनख कन खोळ ही। बिकै **थणा** कै बेमारी होरी ही। बो मिनख खोळ कै **थणा** की दुवाई ल्याबा क्ले डांगरा कै बैद कन जाता टेम बिको पग **त्योरूं** की बेलड़ी म अळजग्यो। जिसूं **त्योरूं** का **पत्ता** टूटग्या। बो खड़्यो हो'र बैद कन गयो। बैद बिनै **थणा** की दुवाई बताई, जणा बो **थणा** की दुवाई ल्याबा सैर म गयो। **थणा** की दुवाई ले'र ओटो आर्‌यो जणा बिनै **त्योरुं** को ठेलो दिख्यो। बठेऊं बो **त्योरूं** की सब्जी ली। **त्योरूं** बेचबाळो बिनै **त्योरूं** कै सागै **पत्ता** बी घाल दिया। बो मिनख घरां आया फेर **त्योरूं** को साग बणायो अर **पत्ता** खोळ नै घाल दिया।

पाठ–7

गट्टा पै तास को खेल

भगूनो **गद्दो** **गट्टो**

जेठी गांमगै बीचाळै **गट्टो** हो। बी गट्टा पै **गद्दो** बिछर्‌यो हो। बठे तास खेलबाळा मिनख आया अर **गद्दा** नै झड़का'र फेर **गट्टा** पै बिछायो, फेर सगळा जणा **गद्दा** पै बेठग्या। अत्यानै एक **भगूना** बेचबाळो आयो। सगळा मिनख **भगूना** देखबा लाग्या। जखा नै **भगूना** चोखा लाग्या बै **भगूना** ले लिया अर **गट्टा** पै बिछेड़ा **गद्दा** पै बेठग्या। **भगूना** बेचबाळो चल्यो गयो। बै मिनख **गट्टा** पै फेर तास खेलबा लाग्या।

पाठ–8

ठटेरा की कारीगरी

ठटेरो **छाज्जो** **मोज्या**

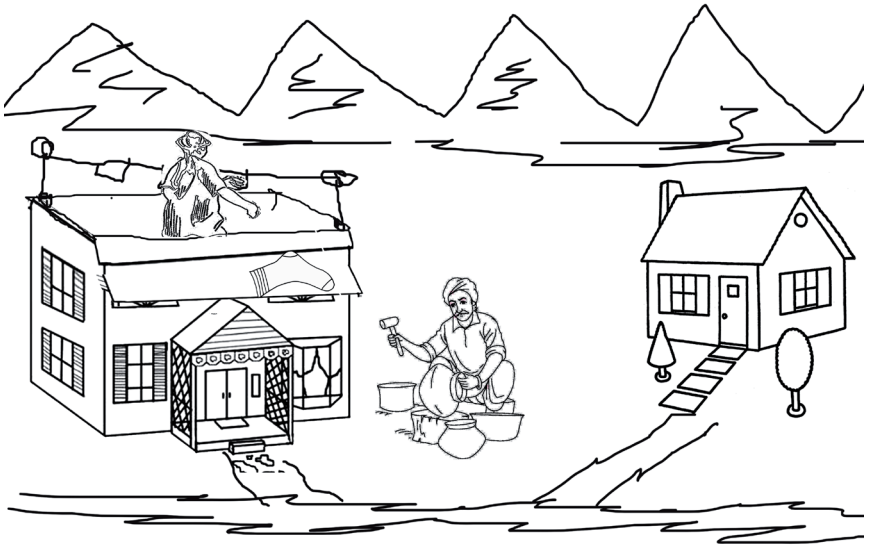

एक **ठटेरो** छात पै **मोज्या** सुकाबा लागर्यो हो। **मोज्या** सुकाती टेम **ठटेरा** कनसूं **मोज्या छाज्जा** पै पड़ग्या। **मोज्या** नै ठाबा क्ले **ठटेरो छाज्जा** पै आयो। **ठटेरो मोज्या** ठार **छाज्जै** सूं तळै आग्यो अर **मोज्या** नै बिलंगणी पै सुका दिया। **मोज्या** सुकाया फेर **ठटेरो** दूसरा **मोज्या** पेर **छाज्जा** तळै बेठ'र डेकचो घड़बा लाग्यो।

पाठ–9

चस्मै का चाळा

फलको **कस्सी** **चस्मो**

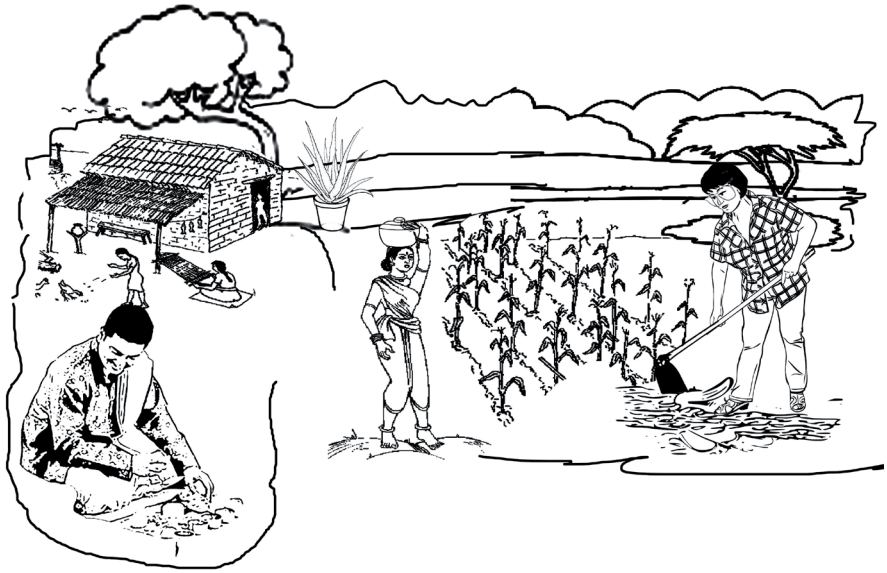

बापू **चस्मो** लगा'र **फलका** खाया। **फलका** खाया फेर **कस्सी** ले'र खेत म गयो। खेत म **चस्मो** पेर्या ई **कस्सी** सूं डोळ बानबा लाग्यो। डोळ बानती टेम बापू को **चस्मो** तळै पड़ग्यो। बापू **चस्मा** नै एकानी म्हेलबा गयो। अत्यानै मां **फलका** ले'र खेत म आगी। बापू **कस्सी** नै ल्यार एकानी म्हेल दी। फेर हात-मूं धो'र **फलका** खाबा लाग्यो। **फलका** खाया फेर **कस्सी** सूं डोळ बानबा लाग्यो।

पाठ–10

चोखो घड़ो

घड़ो **फुग्गा** **ग्यारा**

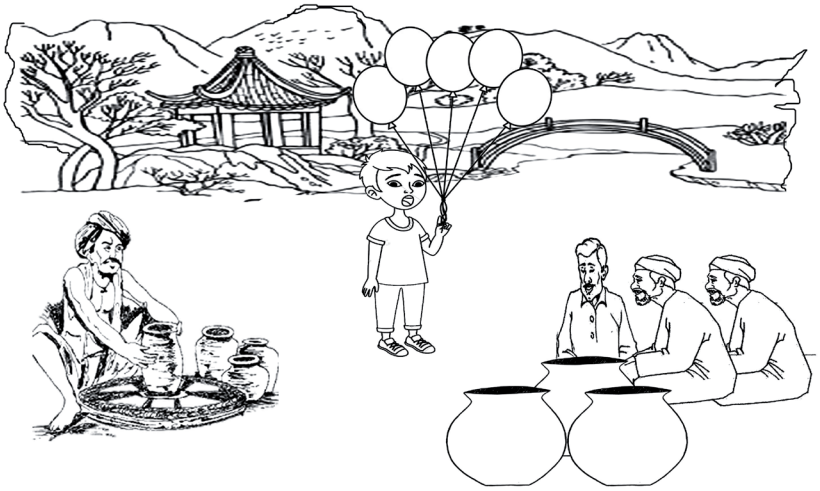

एक थपथपियो **घड़ा** बणार्यो हो। बिकै सारै ई बिको छोरो **ग्यारा फुग्गा** लिया बेठ्यो हो अर **फुग्गा** सूं खेलर्यो हो। **फुग्गा** नै फुलाती टेम एक **फुग्गो** छुट'र **घड़ै** कन जा पड़्यो। थपथपियो बी **फुग्गै** नै ठार छोरै नै दे दियो। अत्यानै **घड़ा** लेबाळा **ग्यारा** मिनख आग्या। बो **ग्यारा** मिनखा नै **ग्यारा** घड़ा दे दिया। बै मिनख **घड़ा** ले'र आपगै घरां चलग्या।

पाठ–11

गुलगलां को प्यालो

झर चप्पल प्यालो

एक लुगाई **चप्पल** पेर्‌या-पेर्‌या ई **झर** सूं गुलगला काड'र **प्याला** म घालण लागरी ही। जद बी **प्याला** म **झर** सूं गुलगला गेर्या जणा बो **प्यालो** भरग्यो। बा लुगाई **चप्पल** सेती ई दूसरो **प्यालो** ल्याबा चलगी अर **प्याला** नै म्हेल'र **झर** सूं गुलगला दूसरा **प्याला** म घालै लागी, अत्यानै एक छ्याळी आगी। बा लुगाई बी छ्याळी कै **चप्पल** काड'र दी पण बी **चप्पल** सूं छ्याळी कै लागी कोनी। बा लुगाई खड़ी हो'र गई अर **चप्पल** पेरकी बिनै घेरकी आई अर पाछी आ'र **झर** सूं गुलगला काडबा लागी।

पाठ–12

सूगलो कच्छो

ढक **जच्चा** **कच्छो**

अमरिया की लुगाई कै टाबर होयो, जणा बिकी लुगाई नै गांमगा लोग **जच्चा** कहबा लाग्या। **जच्चा** आपगै टाबर नै **कच्छो** पेरायो। पेरायड़ा **कच्छा** म टाबर मूत दियो, जणा **जच्चा** बी **कच्छा** नै **ढक** लागेड़ा पाणी ऊं धोयो। **कच्छा** नै धो'र माटी कै **ढक** पै सूका दियो। **कच्छो** सूकता ई **ढक** की माटी **कच्छा** कै लागगी। जिसूं **जच्चा** बी **कच्छा** नै नाकै म्हेल दियो अर **जच्चा** टाबर नै दूसरो **कच्छो** पेरा दियो।

पाठ–13

छाकटी लल्डी

पल्ली लल्डी

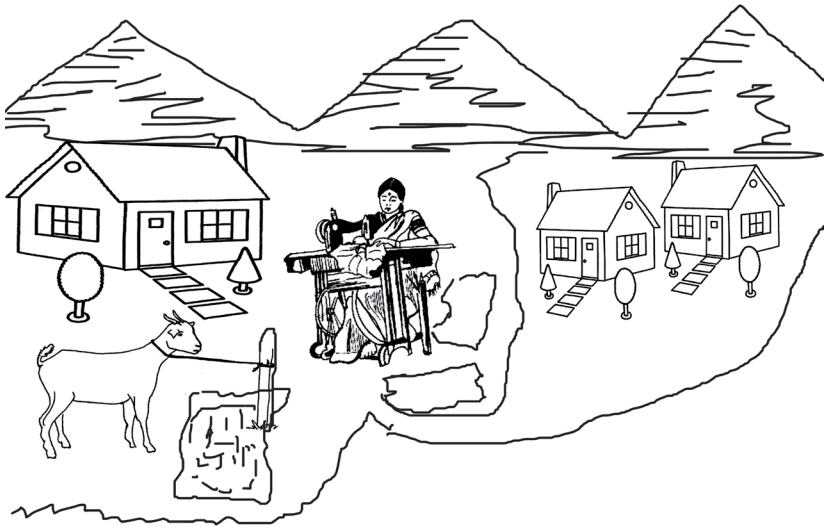

एक लुगाई ही। बा **पल्ली** बणाबा को कार कर्‌या करती ही। बिकै एक **लल्डी** ही। बा आपगी **लल्डी** नै **पल्ली** पै रिजको म्हेल कै खुवाया करती ही। एक दिन बा **लल्डी पल्ली** नै फाड़ दी, जणा आगै सूं बा लुगाई **लल्डी** नै रिजको **पल्ली** पै नै खुवा'र जमीन पै म्हेल कै खुवाबा लागी।